'सन्मार्ग' कोलकाता, शुक्रवार, 13 जनवरी, 2006

अक्षय कुमार की आवाज –अर्णव चक्रवर्ती

फिल्म 'खाकी' में अक्षय कुमार के लिए गायकी कर चर्चा में आए अर्णव चक्रवर्ती की अगली फिल्म 'फैमिली' जल्दी ही प्रदर्शित होने वाली है। निर्देशक राजकुमार संतोषी ने अर्णव चक्रवर्ती को दोबारा अपनी अगली फिल्म 'फैमिली' में अक्षय कुमार के लिए गीत गवाकर एक तरह से बॉलीवुड में उनकी जगह पक्की कर दी है। अर्णव ने 'फैमिली' में तीन गीत गाये हैं। इन्हीं सब बातों को लेकर अर्णव से यह खास बातचीत —

'फैमिली' का प्रस्ताव किस तरह मिला ?

* राजकुमार संतोषी की पिछली फिल्म 'खाकी' में गाया मेरा गीत 'वादा रहा...' हिट रहा था, जिसके लिए मुझे 2005 में लंदन के 'एक्सेल अरेना' में आयोजित हुए 'जी सिने' अवार्ड में श्रेष्ठ पुरुष गायक का नामांकन भी मिला था। इस गीत की कामयाबी के साथ मैं भाग्यशाली रहा कि इसी टीम के साथ मुझे 'फैमिली' में गाने का मौका मिला है। संगीतकार राम संपत 'खाकी' में गाये मेरे एकल गीत 'वादा रहा...' से इतने खुश एवं संतुष्ट थे कि उन्होंने मुझे अपनी इस फिल्म 'फैमिली' में अक्षय कुमार के लिए तीन गीत गवाये हैं ?

'खाकी' के एक गीत के मुकाबले 'फैमिली' में अक्षय कुमार के लिए तीन गीत...?

* जी हां, और मजे की बात यह है कि 'कतरा... कतरा...', 'जनम जनम...' और 'क्विक बाइट' तीनों गीत एक दूसरे से डिफरेंट अंदाज के हैं।

विज्ञापन फिल्मों, रीमिक्स और अब फिल्मों में गायकी के बाद आपको एक पहचान मिली है, क्या यह एक सोची समझी रणनीति थी ? आपको इन तीनों माध्यमों में से किसमें सबसे ज्यादा संतुष्टि है ?

* प्रत्येक माध्यम का अपना एक अलग आकर्षण होता है, जबकि रचनात्मकता चाहे किसी भी क्षेत्र की हो, वह संतुष्टि देती है। हां, 'रिमिक्स' एक बड़ा परीक्षण क्षेत्र है, जहां पर क्लासिक गीतों को दोबारा प्रस्तुत किया जाता है। वहां हमेशा गीत के दोनों संस्करणों के बीच तुलना होती है, जो गायक के अपने आत्म विश्लेषण में काफी सहायक होती है। विज्ञापनों के लिए जिंगल्स गाना भी काफी चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि वहां चंद सेकंड में एक प्रोडक्ट (उत्पाद) से संबंधित मानवीय भावों को प्रस्तुत करना पड़ता है।

और हां फिल्मों के पार्श्वगायन से मुझे काफी संतुष्टि मिली है, जहां आप ज्यादा आजादी के साथ अपनी भावनाओं और स्टाइल (शैली) को आकार दे सकते हैं। वहां आप पर ही सारा दारोमदार होता है कि आप एक ऑरिजिनल गाने को बना या बिगाड़ सकते हैं। फिल्मों में सफल पार्श्वगायन सबसे बड़ी पहचान बनता है, क्योंकि यह हमारे देश की सबसे लोकप्रिय विधा है।

आप मूल रूप से कोलकाता के रहने वाले हैं, तब किस तरह से हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में आपका प्रवेश संभव हो पाया ?

* छह साल पहले मैं कोलकाता से मुंबई आया था। शुरुआत ठीक ठाक ही रही थी। मैंने अपनी आवाज का एक डेमो टेप बनवाया और संगीतकारों के दफ्तर के चक्कर काटने लगा। इस क्रम में मैंने रिमिक्स, जिंगल्स और क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों में गीत गाये। अब हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में गा रहा हूं।

वर्तमान संगीत को आधुनिक तकनीक किस तरह से प्रभावित कर रही है ?

* यह स्टूडियो के समय और कीमत को नियंत्रित कर रही है। तकनीक तभी अच्छी होती है, जब उसका उचित इस्तेमल हो और संगीत इंडस्ट्री सही मायने में ऐसा कर रही है।

आपको अक्षय कुमार की आवाज कहा जा रहा है। इस बारे में आप क्या कहते हैं ?

* मैं इसके लिए ईश्वर को धन्यवाद करता हूं। साथ ही उन सुननेवालों और मेरी मदद करनेवालों का शुक्रवार हूं, जिनकी वजह से मैं आज यहां हूं। मैं अपने को मिल रही पहचान का आनंद उठा रहा हूं, पर अब भी मेरा ध्यान अपने काम पर है। थोड़ी सी प्रशंसा पर मैं संतुष्ट रहने वाला नहीं हूं, अभी मुझे और लंबी यात्रा तय करनी है।

अगला क्या ?

मैं हर गुजरने वाले दिन के साथ और बेहतरीन गायक बनने का प्रयास कर रहा हूं। मैं अर्थपूर्ण और सुर-लय से सजे गीतों को गाकर प्यार, शांति और एकता का संदेश फैलाना चाहता हूं।

—नारद